T.D.C. 1st Semester Examination 2016
January Session 2016-19
Sub:- MIL (Hindi)
Model Paper

(1) काशी वर्णन
(2) व्याल विजय
(3) तोड़ती पत्थर
(4) भारत दुर्दशा
} किसका ! भावार्थ-लेखन

(5) वसंत आ गया है
(6) मन्दिर और राजभवन
(7) कवियों की उर्मिला विषयक उदासीनता
(8) बड़े भाई साहब
(9) दुमुख स्वर गोष्ठी
} सारांश लेखन

(10) कितने चौराहे की कथावस्तु लिखें एवं पात्र का चरित्र-चित्रण (आपका कोई प्रियपात्र)

अर्थ-लेखन

(1) कवि स्वभाव से ही उच्छृंखल होते हैं। वे जिस तरफ झुक गए, झुक गए। जी में आया राई को पर्वत कर दिया, जी में आया तो हिमालय की तरफ भी आँख उठाकर नहीं देखा।
(2) वसंत आता नहीं ले आया जाता है जो चाहे जब चाहे अपने पर ले आ सकता है।
(3) समझ किताबें पढ़ने से नहीं आती, दुनिया देखने से आती है।
(4) झूमे जहर चरणों के नीचे मैं उमंग में गाऊँ।
तान तान फण व्याल कि तुझ पर मैं बाँसुरी बजाऊँ।
(5) मन्दिर कहता है "लोग संसार में लिप्त हैं, वासना के रोगों से पीड़ित हैं, हम उन्हें संसार से विरक्त करेंगे, जिससे दण्ड-विधान की जरूरत ही नहीं होगी।
(6) मन्दिर है उपासना का स्थल, जहाँ मनुष्य अपने आपको ढूँढता है। राजभवन है दण्ड-विधान का आवास, जहाँ मनुष्यों को शान्त रहने का पाठ पढ़ाया जाता है।

व्याकरण

लिंग-निर्णय, विपरीतार्थक शब्द, संधि, समास मुहावरे, उपसर्ग-प्रत्यय।

— x —